



# सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, शुक्रवार, 7 जनवरी, 2022

पौष 17, 1943 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

राज्य कर अनुभाग-2

संख्या 1227/ग्यारह-2-21-9(42)-17टी0सी0 58-उ0प्र0 जी0एस0टी0 नियम-2017-आदेश(226)-2022

लखनऊ, 7 जनवरी, 2022

अधिसूचना

प0आ0-19

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, परिषद् की सिफारिशों पर, एतद्वारा उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर नियमावली, 2017 का अग्रतर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाती हैं, अर्थात् :-

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (तिरपनवाँ संशोधन) नियमावली, 2022

1-(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (तिरपनवाँ संशोधन) संक्षिप्त नाम और नियमावली, 2022 कही जायेगी। प्रारम्भ

(2) इस नियमावली में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, यह तारीख 24 सितम्बर, 2021 से प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

2-उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर नियमावली, 2017 (जिसे आगे उक्त नियमावली नियम 10क का कहा गया है) में,- संशोधन

(1) उक्त नियमावली के नियम 10क में, ऐसी तारीख से जो अधिसूचित की जाए,-

(क) शब्द "बैंक खाते के ब्यौरे" के पश्चात् शब्द "जो रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के नाम से हो और रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की स्थायी खाता संख्या पर प्राप्त किया गया हो" बढ़ा दिये जायेंगे;

(ख) निम्नलिखित परन्तुक बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात्:-

“परन्तु स्वत्वधारी समुत्थान की दशा में, स्वत्वधारी की स्थायी खाता संख्या स्वत्वधारी की आधार संख्या से भी जुड़ी हुई हो।”;

(2) उक्त नियमावली के नियम 10क के पश्चात्, ऐसी तारीख से जो अधिसूचित की जाए, निम्नलिखित नियम रख दिया जाएगा, अर्थात् :-

“10ख-रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के लिए आधार अधिप्रमाणन-धारा 25 की उपधारा (6घ) के अधीन अधिसूचित व्यक्ति से भिन्न रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसे नियम 10 के अधीन रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण-पत्र जारी किया गया है, स्वत्वधारी फर्म की दशा में स्वत्वधारी या भागीदारी फर्म की दशा में कोई भागीदार या हिंदू अविभक्त कुटुंब की दशा में कर्ता या कंपनी की दशा में उसका प्रबंध निदेशक अथवा पूर्णकालिक निदेशक या व्यक्तियों के संघ या व्यक्तियों के निकाय या किसी सोसाइटी की प्रबंध समिति के सदस्यों में से कोई भी सदस्य या न्यास की दशा में न्यासी बोर्ड का कोई न्यासी, और प्राधिकृत हस्ताक्षर कर्ता, नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए पात्र होने के क्रम में, आधार संख्या का अधिप्रमाणन कराएंगे।

#### सारणी

क्र०सं०	उद्देश्य
(1)	(2)
1	नियम 23 के अधीन, रजिस्ट्रीकरण के रद्दीकरण के प्रतिसंहरण के लिए प्ररूप जीएसटीआरईजी-21 में आवेदन फाइल करने के लिए
2	नियम 89 के अधीन प्ररूप आरएफडी-01 में प्रतिदाय आवेदन फाइल करने के लिए
3	नियम 96 के अधीन भारत के बाहर निर्यात किए गए माल पर संदत्त एकीकृत कर के प्रतिदाय के लिए

परन्तु यदि उस व्यक्ति को जिससे आधार संख्या का अधिप्रमाणन कराना अपेक्षित है, आधार संख्या समनुदेशित नहीं की गई है, तो ऐसा व्यक्ति पहचान के निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा, अर्थात्:-

(क) अपनी आधार नामांकन आईडी पर्ची; और

(ख) (i) फोटोग्राफ के साथ बैंक पासबुक; या

(ii) भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किया गया मतदाता पहचान कार्ड; या

(iii) पासपोर्ट; या

(iv) मोटरयान अधिनियम, 1988 (अधिनियम संख्या 59 सन् 1988) के अधीन लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किया चालन लाइसेंस :

परन्तु यह और कि ऐसा व्यक्ति आधार संख्या के आवंटन के तीस दिन के भीतर आधार संख्या का अधिप्रमाणन कराएगा।”;

नियम 23 का  
संशोधन

3-उक्त नियमावली के नियम 23 में, उपनियम (1) में, ऐसी तारीख से जो अधिसूचित की जाए शब्द “स्व प्रेरणा से” पश्चात्, शब्द, अंक और अक्षर “नियम 10ख के उपबन्धों के अधधीन” रख दिया जाएगा।

4-नियम 26 के उपनियम (1) में,—	नियम 26 का संशोधन
(क) तारीख 29 अगस्त, 2021 से प्रभावी, चौथे परन्तुक में, अंक अक्षर और शब्द “31 अगस्त, 2021” के स्थान पर, अंक, अक्षर और शब्द “31 अक्टूबर, 2021” रख दिए जाएंगे;	
(ख) तारीख 1 नवम्बर, 2021 से सभी परन्तुकों को निकाल दिया जाएगा;	
5-उक्त नियमावली के नियम 45 के उपनियम (3) में, तारीख 1 अक्टूबर, 2021 से,—	नियम 45 का संशोधन
(एक) शब्द “तिमाही के दौरान”, के स्थान पर, शब्द “विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान”, रख दिये जाएंगे;	
(दो) शब्द “उक्त तिमाही”, के स्थान पर, शब्द “उक्त अवधि”, रख दिये जायेंगे;	
(तीन) परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखित स्पष्टीकरण बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :—	
“स्पष्टीकरण—इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए, ‘विनिर्दिष्ट अवधि’ पद का तात्पर्य निम्नानुसार—	
(क) किसी मालिक के सम्बन्ध में, जिसका ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान कुल आवर्त पाँच करोड़ रुपये से अधिक है, 1 अप्रैल और 1 अक्टूबर, को प्ररम्भ होने वाले छह क्रमवर्ती मासों की अवधि होगा; और	
(ख) किसी अन्य मामले में एक वित्तीय वर्ष होगा।”;	
6-उक्त नियमावली के नियम 59 के उपनियम (6) में, 1 जनवरी, 2022 से,—	नियम 59 का संशोधन
(एक) खण्ड (क) में, शब्द “पिछले दो महीने के लिए”, के स्थान पर, शब्द “पूर्ववर्ती मास के लिए”, रख दिये जाएंगे;	
(दो) खण्ड (ग) को निकाल दिया जायेगा;	
7-नियम 80 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम तारीख 1 अगस्त, 2021 से रख दिया जाएगा, अर्थात् :—	नियम 80 का संशोधन
“80- <b>वार्षिक विवरणी</b> —(1) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, धारा 44 के दूसरे परन्तुक में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के सिवाय, इनपुट सेवा वितरक, धारा 51 और 52 के अधीन कर का संदाय करने वाला व्यक्ति, आकस्मिक कराधेय व्यक्ति और अनिवासी कराधेय व्यक्ति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए धारा 44 के अधीन यथानिर्दिष्ट <b>प्ररूप जीएसटीआर-9</b> में वार्षिक विवरणी को इलेक्ट्रानिक रूप से, ऐसे वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् आगामी 31 दिसम्बर, को या उससे पहले, सीधे सामान्य पोर्टल के माध्यम से या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम, से प्रस्तुत करेगा :	
परन्तु यह कि धारा 10 के अधीन कर संदाय करने वाले व्यक्ति <b>प्ररूप जीएसटीआर-9क</b> में वार्षिक विवरणी प्रस्तुत करेंगे।	
(2) धारा 52 के अधीन स्रोत पर कर संग्रह करने के लिए अपेक्षित प्रत्येक इलेक्ट्रानिक वाणिज्यिक प्रचालक उक्त धारा की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट वार्षिक विवरणी <b>प्ररूप जीएसटीआर-9ख</b> में प्रस्तुत करेगा।	
(3) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, धारा 44 के दूसरे परन्तुक में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के सिवाय, इनपुट सेवा वितरक, धारा 51 और 52 के अधीन कर का संदाय करने वाला व्यक्ति, आकस्मिक कराधेय व्यक्ति और अनिवासी कराधेय व्यक्ति, जिनका किसी वित्तीय वर्ष के दौरान संकलित आवर्त पाँच करोड़ रुपये से अधिक हैं, सीधे सामान्य पोर्टल के माध्यम से या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सेवा केन्द्रों के माध्यम से, ऐसे वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् आगामी 31 दिसम्बर को या उससे पहले, उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट वार्षिक विवरणी के साथ धारा 44 के अधीन यथानिर्दिष्ट स्वप्रमाणित समाधान विवरणी <b>प्ररूप जीएसटीआर-9ग</b> को भी दाखिल करेगा।	

नियम 89 का  
संशोधन

8—उक्त नियमावली के नियम 89 में,—

(एक) उपनियम (1) में, ऐसे दिनांक जैसा कि अधिसूचित किया जाय, से शब्द “फाइल कर सकता है” के पश्चात्, “नियम 10ख के उपबन्धों के अधीन रहते हुए” शब्द रख दिए जायेंगे;

(दो) उपनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :—

“(1क) कोई व्यक्ति जो, उसके द्वारा संदत्त किसी कर के प्रतिदाय हेतु अधिनियम की धारा 77 के अधीन दावा करता है, उसके द्वारा अन्तः राज्य प्रदाय समझे गए संव्यवहार के सम्बन्ध में, जो पश्चात् वर्ती अन्तर-राज्य प्रदाय माना गया, अन्तर-राज्य प्रदाय पर कर के संदाय के दिनांक से दो वर्ष की अवधि के अवसान के पूर्व, या तो प्रत्यक्ष रूप से या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से, कॉमन पोर्टल के माध्यम से प्ररूप जीएसटीआरएफडी-01 में इलैक्ट्रॉनिक ढंग से आवेदन कर सकेगा :

परन्तु यह कि उक्त आवेदन इस उपनियम के लागू होने के पूर्व अन्तर-राज्य प्रदाय पर कर के किसी संदाय के सम्बन्ध में, उस दिनांक से जिससे यह उपनियम लागू होता है दो वर्ष की अवधि के अवसान के पूर्व फाइल किया जाएगा।”;

नियम 96 का  
संशोधन

9—उक्त नियमावली के नियम 96 में, उपनियम (1) में, खण्ड (ख) के पश्चात्, ऐसे दिनांक से जैसा कि अधिसूचित किया जाय से निम्नलिखित खण्ड बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) आवेदक ने नियम 10ख में उपबन्धित रीति से आधार अधिप्रमाणन करवाया है।”;

नियम 96ख का  
संशोधन

10—उक्त नियमावली के नियम 96ख के पश्चात्, ऐसे दिनांक से जैसा कि अधिसूचित किया जाय, से निम्नलिखित नियम बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :—

“(96ग) प्रतिदाय जमा हेतु बैंक खाता—नियम 91 के उपनियम (3), नियम 92 के उपनियम (4) और नियम 94 के प्रयोजनों के लिए, “बैंक खाता” का तात्पर्य आवेदक के ऐसे बैंक खाता से होगा जो आवेदक के नाम पर है तथा उसकी स्थायी खाता संख्या पर प्राप्त किया गया है :

“परन्तु यह कि स्वत्वधारी समुत्थान की दशा में, स्वत्वधारी की स्थायी खाता संख्या स्वत्वधारी की आधार संख्या से भी जुड़ी हुई हो।”

नियम 137 का  
संशोधन

11—नियम 137 में, 30 नवम्बर, 2021 से, शब्द “चार वर्ष” के स्थान पर, शब्द “पाँच वर्ष” रख दिये जाएंगे।

नियम 138ड का  
संशोधन

12—1 मई, 2021 से, नियम 138ड में, चौथे परन्तु के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह भी कि उक्त निर्बंधन 1 मई, 2021 से 18 अगस्त, 2021 की अवधि के दौरान उस दशा में लागू नहीं होगा, जहाँ, यथास्थिति, प्ररूप जीएसटीआर-3ख में विवरणी या प्ररूप जीएसटीआर-1 में जावक प्रदायों का विवरण या प्ररूप जीएसटी सीएमपी-8 में विवरण मार्च, 2021 से मई, 2021 की अवधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।”;

प्ररूप जीएसटी  
डीआरसी-03 का  
संशोधन

13—प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 में,—

(क) शीर्ष में, शब्द “या विवरण” के पश्चात्, शब्द, अक्षर और अंक “या प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01क के माध्यम से सुनिश्चित कर की सूचना” रख दिए जाएंगे;

(ख) मद 3 के समक्ष, स्तम्भ (3) में शब्द और अक्षर “लेखा परीक्षा, अन्वेषण, स्वेच्छया, एससीएन, वार्षिक विवरणी, समाधान विवरण, अन्य (विनिर्दिष्ट करें)”, के स्थान पर शब्द, अक्षर, अंक और कोष्टक “लेखापरीक्षा, निरीक्षण या अन्वेषण, स्वेच्छया, एससीएन, वार्षिक विवरणी, समाधान विवरण, संवीक्षा, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01क के माध्यम से सुनिश्चित कर की सूचना, मिलान न होना (प्ररूप जीएसटीआर-1 और प्ररूप जीएसटीआर-3ख), मिलान न होना (प्ररूप जीएसटीआर-2ख और प्ररूप जीएसटीआर-3ख), अन्य (विनिर्दिष्ट करें)”, रख दिये जाएंगे;

(ग) मद 5 के समक्ष, स्तम्भ (1) में, शब्द और अंक “यदि इसके जारी होने के 30 दिन के भीतर”, के पश्चात्, शब्द, अक्षर, अंक और कोष्टक “संवीक्षा, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01क के माध्यम से सुनिश्चित कर की सूचना, संपरीक्षा, निरीक्षण या अन्वेषण, अन्य (विनिर्दिष्ट करें)”, बढ़ा दिए जाएंगे;

(घ) क्रम संख्यांक 7 के अधीन सारणी के स्थान पर, निम्नलिखित सारणी रख दी जाएगी, अर्थात् :-

क्रम संख्या	कर अवधि	अधिनियम	प्रदाय का स्थान (पीओएस)	कर/ उपकर	ब्याज	शास्ति, यदि लागू हो	फीस	अन्य	कुल	उपयोग किए गए खाते (नकद/ प्रत्यय)	विकलन प्रविष्टि संख्या	विकलन प्रविष्टि की तारीख
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
												।”।

14-उक्त नियमावली में, तारीख 1 अगस्त, 2021 की तिथि से प्रभावी, प्ररूप जीएसटीआर-9, के अनुदेशों में,-

प्ररूप  
जीएसटीआर-9 में  
संशोधन

(क) पैरा 4 में,-

(क) शब्द, अक्षर और अंक “या वित्तीय वर्ष 2019-20” के पश्चात् “या वित्तीय वर्ष 2020-21” शब्द, अक्षर और अंक बढ़ा दिये जायेंगे;

(ख) सारणी में, दूसरे स्तम्भ में शब्द और अंक “और 2019-20” के स्थान पर जहाँ कहीं वे आते हैं, शब्द और अंक “2019-20 और 2020-21” रख दिये जायेंगे;

(ख) पैरा 5 में, सारणी में दूसरे स्तम्भ में,-

(क) क्रम संख्या 6ख के समक्ष, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2019-20” के पश्चात् अक्षर, अंक और शब्द “और 2020-21” बढ़ा दिये जायेंगे;

(ख) क्रम संख्या 6ग और 6घ के समक्ष,-

(एक) शब्द, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए” के पश्चात् शब्द और अंक “और 2020-21” बढ़ा दिये जायेंगे;

(दो) शब्द और अंक “और 2019-20” के स्थान पर शब्द और अंक “2019-20 और 2020-21” रख दिये जायेंगे;

(ग) क्रम संख्या 6ड के समक्ष, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2019-20” के स्थान पर, अक्षर, अंक और शब्द “वित्तीय वर्ष 2019-20 और 2020-21” रख दिये जायेंगे;

(घ) क्रम संख्या 7क, 7ख, 7ग, 7घ, 7ड, 7च, 7छ और 7ज के समक्ष प्रविष्टि में, अंक और शब्द “2018-2019 और 2019-20” के स्थान पर अंक और शब्द “2018-19, 2019-20 और 2020-21” रख दिये जायेंगे;

(ग) पैरा 7 में,—

(क) शब्द और अंक “अप्रैल, 2020 से सितम्बर, 2020” के पश्चात् निम्नलिखित बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात् :—

“वित्तीय वर्ष 2020—21 के लिए, भाग 5 पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के संव्यवहारों जिनको अप्रैल, 2021 से सितम्बर, 2021 के बीच **प्ररूप जीएसटीआर—3ख** में संदत्त किया गया है, की विशिष्टियों से मिलकर बना है।”;

(ख) साराणी में, दूसरे स्तम्भ में,—

(I) क्रम-संख्या 10 और 11 के समक्ष, प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जाएगी, अर्थात् :—

“वित्तीय वर्ष 2020—21 के लिए, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की विवरणी में पहले ही घोषित प्रदायों में जोड़ या संशोधन के ब्यौरे किन्तु जो अप्रैल 2021 से सितम्बर, 2021 के **प्ररूप जीएसटीआर—1** की सारणी 9क, सारणी 9ख और 9ग में प्रस्तुत किए गए थे, यहाँ घोषित किए जायेंगे।”;

(II) क्रम-संख्या 12 के समक्ष,—

(1) शब्द, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2019—20 के लिए, रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के पास इस सारणी को न भरने का विकल्प होगा” के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेगी, अर्थात् :—

“वित्तीय वर्ष 2020—21 के लिए, आईटीसी के प्रत्यागम का कुल मूल्य जो पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में लिया गया था, किन्तु अप्रैल 2021 से सितम्बर 2021 के महीनों के लिए फाइल की गई विवरणी में प्रत्यागमित कर दिया गया था, यहाँ घोषित किया जायेगा। प्ररूप जीएसटीआर—3ख की सारणी 4(ख) इन ब्यौरों को भरने के लिए उपयोग की जा सकेगी।”;

(2) अंक और शब्द “2018—19 और 2019—20” के स्थान पर अंक और शब्द “2018—19, 2019—20 और 2020—21” रख दिये जायेंगे;

(III) क्रम-संख्या 13 के समक्ष,—

(1) शब्द, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2020—21 में उसका पुनः दावा किया गया था, ऐसी पुनः दावा की गई आईटीसी के ब्यौरे वित्तीय वर्ष 2020—21 के लिए वार्षिक विवरणी में प्रस्तुत किए जाएंगे।” के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेगी, अर्थात् :—

“वित्तीय वर्ष 2020—21 के लिए, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में प्राप्त माल और सेवाओं के लिए आईटीसी के ब्यौरे, किन्तु जिनके लिए आईटीसी अप्रैल, 2021 से सितम्बर, 2021 के महीनों के लिए फाइल की गई विवरणी में लिया गया था, यहाँ घोषित किए जायेंगे। **प्ररूप जीएसटीआर—3ख** की सारणी 4(क) का इन ब्यौरों को भरने के लिए उपयोग किया जा सकेगा। तथापि, कोई आईटीसी जिसका प्रत्यागम धारा 16 की उपधारा (2) के दूसरे परन्तुक के अनुसार वित्तीय वर्ष 2020—21 में किया गया था किन्तु जिसे वित्तीय वर्ष 2021—22 में पुनः दावा किया गया, ऐसी पुनः दावा की गई आईटीसी के विवरण वित्तीय वर्ष 2021—22 के लिए वार्षिक विवरणी में प्रस्तुत किए जाएंगे।”;

(2) अंक और शब्द “2018—19 और 2019—20” के स्थान पर अंक और शब्द “2018—19, 2019—20 और 2020—21” रख दिये जायेंगे;

(घ) पैरा 8 में, सारणी में, दूसरे स्तम्भ में, शब्द और अंक "2018-19 और 2019-20" के स्थान पर, जहाँ कहीं वे आते हैं अक्षर, शब्द और अंक "2018-19, 2019-20 और 2020-21" रख दिये जायेंगे।"

15-उक्त नियमावली में, 1 अगस्त, 2021 की तारीख से प्रभावी प्ररूप जीएसटीआर-9ग में,-

प्ररूप  
जीएसटीआर-9ग  
में संशोधन

(i) भाग क की सारणी में,-

(क) क्रम-संख्या 9 में, क्रम-संख्या ट से सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम-संख्या और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेंगी, अर्थात् :-

"ट-1	अन्य					"I";
------	------	--	--	--	--	------

(ख) क्रम-संख्या 11 में, "0.10%" से सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेंगी, अर्थात् :-

"अन्य						"I";
-------	--	--	--	--	--	------

(ग) भाग 5 के समक्ष,-

(I) शीर्ष में, शब्द "गैर-समाधान के कारण अतिरिक्त दायित्व पर लेखापरीक्षक की सिफारिश" के स्थान पर शब्द "गैर-समाधान के कारण अतिरिक्त दायित्व" रख दिए जाएंगे;

(II) "0.10%" से सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जाएगी, अर्थात् :-

"अन्य						"I";
-------	--	--	--	--	--	------

(ii) सारणी के पश्चात्, "सत्यापन:" से प्रारम्भ होने वाले और "और तुलन पत्र आदि" के साथ समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जाएगा, अर्थात् :-

"रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का सत्यापन:

मैं सत्यनिष्ठ से पुष्टि करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि ऊपर इसमें दी गई जानकारी सत्य और सही है और वहाँ से कुछ भी छुपाया नहीं गया है। मैं प्ररूप जीएसटीआर-9ग में समाधान विवरण की स्वप्रमाणित प्रति को अपलोड कर रहा हूँ। मैं वित्तीय विवरण, लाभ और हानि खाता और तुलन पत्र आदि सहित अन्य विवरण, जैसा लागू हो, भी अपलोड कर रहा हूँ।"

(iii) अनुदेशों में,-

(क) पैराग्राफ 4 में, सारणी के दूसरे स्तम्भ में, "2018-19 और 2019-20" जहाँ कहीं वे आते हैं, अंकों और शब्दों के स्थान पर, "2018-19, 2019-20 और 2020-21" अंक और शब्द रख दिए जाएंगे;

(ख) पैराग्राफ 6 में, सारणी के दूसरे स्तम्भ में, "2018-19 और 2019-20" जहाँ कहीं वे आते हैं, अंकों और शब्दों के स्थान पर, "2018-19, 2019-20 और 2020-21" अंक और शब्द रख दिए जाएंगे;

(ग) पैराग्राफ 7 के स्थान पर निम्नलिखित पैराग्राफ रख दिया जाएगा, अर्थात् :-

"7-भाग V में आवर्त के गैर-समाधान या इनपुट कर प्रत्यय के गैर-समाधान के कारण करदाता द्वारा निर्वहन की जाने वाली अतिरिक्त देयता शामिल है। कोई भी प्रतिदाय जो गलती से लिया गया है और सरकार को वापस भुगतान किया जाएगा, उसे भी इस तालिका में घोषित किया जाएगा। अंत में, कोई अन्य बकाया मांग, जिसे करदाता द्वारा निपटाया जाना है, इस सारणी में घोषित की जायेगी।

(iv) भाग ख प्रमाणीकरण को निकाल दिया जाएगा।

प्ररूप जीएसटी  
एएसएमटी-14 में  
संशोधन

16-29 अगस्त, 2021 की तिथि से प्रभावी, प्ररूप जीएसटी एएसएमटी-14 में,—

(क) शब्द "आपका रजिस्ट्रीकरण" के पश्चात्, शब्द "आदेश प्रतिनिर्देश सं० .....  
....., तारीख ..... द्वारा," बढ़ा दिए जाएंगे;

(ख) शब्द "क्यों रजिस्ट्रीकरण के लिए दायी होने के बावजूद रजिस्ट्रीकरण के  
बिना कारबार संचालन के लिए" निकाल दिये जायेंगे;

(ग) अंत में, शब्द "पदनाम" के पश्चात्, शब्द "पता" बढ़ा दिया जाएगा।

आज्ञा से,  
संजीव मित्तल,  
अपर मुख्य सचिव।

IN pursuance of the provision of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Government notification no. 1227/XI-2-21-9(42)/17T.C.58-U.P.GST Rules-2017-Order (226)-2022, dated January 7, 2022 :

No. 1227/XI-2-21-9(42)/17T.C.58-U.P.GST Rules-2017-Order (226)-2022

*Dated Lucknow, January 7, 2022*

IN exercise of the powers conferred by section 164 of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no. 1 of 2017), the Governor, on the recommendations of the Council, hereby makes the following rules further to amend the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017, namely :-

UTTAR PRADESH GOODS AND SERVICES TAX  
(FIFTY THIRD AMENDMENT) RULES, 2022

Short title and  
commencement

1. (1) These rules may be called the Uttar Pradesh Goods and Services Tax  
(Fifty third Amendment) Rules, 2022.

(2) Save as otherwise provided in these rules, they shall be deemed to have  
come into force from 24<sup>th</sup> September, 2021.

Amendment of  
rule 10A

2. In the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter  
referred to as the said rules),—

(1) In rule 10A of the said rules, with effect from the date as may be  
notified—

(a) *after* the words "details of bank account", the words "which is in  
name of the registered person and obtained on Permanent Account  
Number of the registered person" shall be *inserted*;

(b) the following proviso shall be *inserted*, namely :-

"Provided that in case of a proprietorship concern, the  
Permanent Account Number of the proprietor shall also be linked  
with the Aadhaar number of the proprietor.";

(2) *After* rule 10A of the said rules, with effect from the date as may be  
notified, the following rule shall be *inserted*, namely :-



**"10B. Aadhaar authentication for registered person-** The registered person, other than a person notified under sub-section (6D) of section 25, who has been issued a certificate of registration under rule 10 shall, under go authentication of the Aadhaar number of the proprietor, in the case of proprietorship firm, or of any partner, in the case of a partnership firm, or of the karta, in the case of a Hindu undivided family, or of the Managing Director or any whole time Director, in the case of a company, or of any of the Members of the managing Committee of an Association of person or body of individuals or a Society, or of the Trustee in the Board of Trustees, in the case of a Trust and of the authorized signatory, in order to be eligible for the purposes as specified in column (2) of the Table below :

TABLE

Sl. no.	Purpose
(1)	(2)
1	For filing of application for revocation of cancellation of registration in <b>FORM GST REG-21</b> under rule 23
2	For filing of refund application in <b>FORM RFD-01</b> under rule 89
3	For refund under rule 96 of the integrated tax paid on goods exported out of India

Provided that if Aadhaar number has not been assigned to the person required to undergo authentication of the Aadhaar number, such person shall furnish the following identification documents, namely :-

- (a) her/his Aadhaar Enrolment ID slip; and
- (b) (i) Bank passbook with photograph; or
- (ii) Voter identity card issued by the Election Commission of India; or
- (iii) Passport; or
- (iv) Driving license issued by the Licensing Authority under the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988):

Provided further that such person shall undergo the authentication of Aadhaar number within a period of thirty days of the allotment of the Aadhaar number."

3. In rule 23 of the said rules, in sub-rule (1), with effect from the date as may be notified, *after* the words "on his own motion, may", the words, figures and letter ", subject to the provisions of rule 10B," shall be *inserted*.

Amendment of  
rule 23

4. In sub-rule (1) of rule 26,-

(a) in the fourth proviso, with effect from the 29<sup>th</sup> day of August, 2021, *for* the figures, letters and words "31<sup>st</sup> day of August, 2021", the figures, letters and words 31<sup>st</sup> day of October, 2021" shall be *substituted*;

Amendment of  
rule 26

(b) with effect from the 1<sup>st</sup> day of November, 2021, all provisos shall be *omitted*.

Amendment of  
rule 45

5. In rule 45 of the said rules, in sub-rule (3), with effect from the 1<sup>st</sup> day of October, 2021,-

(i) *for* the words "during a quarter", the words "during a specified period" shall be *substituted*;

(ii) *for* the words "the said quarter", the words "the said period" shall be *substituted*;

(iii) *after* the proviso, the following explanation shall be *inserted*, namely :-

"*Explanation :-* For the purposes of this sub-rule, the expression 'specified period' shall mean -

(a) the period of six consecutive months commencing on the 1<sup>st</sup> day of April and the 1<sup>st</sup> day of October in respect of a principal whose aggregate turnover during the immediately preceding financial year exceeds five crore rupees; and

(b) a financial year in any other case."

Amendment of  
rule 59

6. In rule 59 of the said rules, in sub-rule (6), with effect from the 1<sup>st</sup> day of January, 2022,-

(i) in clause (a), *for* the words "for preceding two months", the words "for the preceding month" shall be *substituted*;

(ii) clause (c) shall be *omitted*.

Amendment of  
rule 80

7. With effect from the 1<sup>st</sup> day of August, 2021, *for* rule 80, the following rule shall be *substituted*, namely :-

"80. **Annual return**-(1) Every registered person, other than those referred to in the second proviso to section 44, an Input Service Distributor, a person paying tax under section 51 or section 52, a casual taxable person and a non-resident taxable person, shall furnish an annual return for every financial year as specified under section 44 electronically in **FORM GSTR-9** on or before the thirty-first day of December following the end of such financial year through the common portal either directly or through a Facilitation Centre notified by the Commissioner :

Provided that a person paying tax under section 10 shall furnish the annual return in **FORM GSTR-9A**.

(2) Every electronic commerce operator required to collect tax at source under section 52 shall furnish annual statement referred to in sub-section (5) of the said section in **FORM GSTR-9B**.

(3) Every registered person, other than those referred to in the second proviso to section 44, an Input Service Distributor, a person paying tax under section 51 or section 52, a casual taxable person and a non-resident taxable person, whose aggregate turnover during a financial year exceeds five crore rupees, shall also furnish a self-certified reconciliation statement as specified under section 44 in **FORM GSTR-9C** along with the annual return referred to in sub-rule (1), on or before the thirty-first day of December following the end of such financial year, electronically through the common portal either directly or through a Facilitation Centre notified by the Commissioner."

8. In rule 89 of the said rules,—	Amendment of rule 89
(i) in sub-rule (1), with effect from the date as may be notified, <i>after</i> the words "may file", the words ", subject to the provisions of rule 10B," shall be <i>inserted</i> ;	
(ii) <i>after</i> sub-rule (1), the following sub-rule shall be <i>inserted</i> , namely :—	
"(1A) Any person, claiming refund under section 77 of the Act of any tax paid by him, in respect of a transaction considered by him to be an intra-State supply, which is subsequently held to be an inter-State supply, may, before the expiry of a period of two years from the date of payment of the tax on the inter-State supply, file an application electronically in <b>FORM GST RFD-01</b> through the common portal, either directly or through a Facilitation Centre notified by the Commissioner :	
Provided that the said application may, as regard to any payment of tax on inter-State supply before coming into force of this sub-rule, be filed before the expiry of a period of two years from the date on which this sub-rule comes into force."	
9. In rule 96 of the said rules, in sub-rule (1), <i>after</i> clause (b), with effect from the date as may be notified, the following clause shall be <i>inserted</i> , namely :—	Amendment of rule 96
"(c) The applicant has undergone Aadhaar authentication in the manner provided in rule 10B;"	
10. <i>After</i> rule 96B of the said rules, with effect from the date as may be notified, the following rule shall be <i>inserted</i> , namely :—	Amendment of rule 96B
"96C. <b>Bank Account for credit of refund</b> —For the purposes of sub-rule (3) of rule 91, sub-rule (4) of rule 92 and rule 94, "bank account" shall mean such bank account of the applicant which is in the name of applicant and obtained on his Permanent Account Number :	
Provided that in case of a proprietorship concern, the Permanent Account Number of the proprietor shall also be linked with the Aadhaar number of the proprietor."	
11. In rule 137, with effect from the 30 <sup>th</sup> day of November, 2021, <i>for</i> the words "four years", the words "five years" shall be <i>substituted</i> .	Amendment of rule 137
12. With effect from the 1 <sup>st</sup> day of May, 2021, in rule 138E, <i>after</i> the fourth proviso, the following proviso shall be <i>inserted</i> , namely :—	Amendment of rule 138E
"Provided also that the said restriction shall not apply during the period from the 1 <sup>st</sup> day of May, 2021 till the 18 <sup>th</sup> day of August, 2021, in case where the return in <b>FORM GSTR-3B</b> or the statement of outward supplies in <b>FORM GSTR-1</b> or the statement in <b>FORM GST CMP-08</b> , as the case may be, has not been furnished for the period March, 2021 to May, 2021."	
13. In <b>FORM GST DRC-03</b> ,—	Amendment of From GST DRC-03
(a) in the heading, <i>after</i> the words "or statement", the words, letters and figures "or intimation of tax ascertained through <b>FORM GST DRC-01A</b> " shall be <i>inserted</i> ;	

(b) against item 3, in Column (3), *for* the word and letters "Audit, investigation, voluntary, SCN, annual return, reconciliation statement, others (specify)", the words, letters, figures and brackets "Audit, inspection or investigation, voluntary, SCN, annual return, reconciliation statement, scrutiny, intimation of tax ascertained through **FORM GST DRC-01A**, Mismatch (Form GSTR-1 and Form GSTR-3B), Mismatch (Form GSTR-2B and Form GSTR-3B), others (specify)" shall be *substituted*;

(c) against item 5, in Column (1), *after* the word and figures "within 30 days of its issue", the words, letters, figures and brackets", Scrutiny, intimation of tax ascertained through **FORM GST DRC-01A**, audit, inspection or investigation, others (specify)" shall be *inserted*;

(d) *for* the table, under serial number 7, *for* the table, the following table shall be *substituted*, namely :—

"Sl. no.	Tax period	Act	Place of supply (POS)	Tax/ Cess	Interest	Penalty, if applicable	Fee	Others	Total	Ledger utilised (Cash/ Credit)	Debit entry no.	Date of debit entry
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
												..

Amendment in  
FORM GSTR-9

14. In the said rules, with effect from the 1<sup>st</sup> day of August, 2021, in **FORM GSTR-9**, in the instructions,—

(a) in paragraph 4—

(A) *after* the word, letters and figures "or FY 2019-20", the word, letters and figures "or FY 2020-21" shall be *inserted*;

(B) in the table, in second column, *for* the word and figures "and 2019-20" wherever they occur, the word and figures "2019-20 and 2020-21" shall be *substituted*;

(b) in paragraph 5, in the table, in second column—

(A) against serial number 6B, *after* the letters and figures "FY 2019-20", the letters, figures and words "2020-21" shall be *inserted*;

(B) against serial numbers 6C and 6D—

(I) *after* the word, letters and figures "For FY 2019-20", the word and figures "and 2020-21" shall be *inserted*;

(II) *for* the word and figures "and 2019-20", the figures and word ", 2019-20 and 2020-21" shall be *substituted*;

(C) against serial number 6E, *for* the letters and figures "FY 2019-20", the letters, figures and word "FY 2019-20 and 2020-21" shall be *substituted*;

(D) against serial number 7A, 7B, 7C, 7D, 7E, 7F, 7G and 7H, in the entry, *for* the figures and word "2018-19 and 2019-20", the figures and word "2018-19, 2019-20 and 2020-21" shall be *substituted*;

(c) in paragraph 7,—

(A) *after* the word, letters and figures "April, 2020 to September, 2020", the following shall be *inserted*, namely :—

"For FY 2020-21, Part V consists of particulars of transactions for the previous financial year but paid in the **FORM GSTR-3B** between April, 2021 to September, 2021.";

(B) in the table, in second column,—

(I) against serial numbers 10 and 11, *after* the entries, the following entry shall be *inserted*, namely :—

"For FY 2020-21, details of additions or amendments to any of the supplies already declared in the returns of the previous financial year but such amendments were furnished in Table 9A, Table 9B and Table 9C of **FORM GSTR-1** of April, 2021 to September, 2021 shall be declared here.";

(II) against serial number 12,—

(1) *after* the words, letters and figures "For FY 2019-20, the registered person shall have an option to not fill this table.", the following entry shall be *inserted*, namely :—

"For FY 2020-21, aggregate value of reversal of ITC which was availed in the previous financial year but reversed in returns filed for the months of April, 2021 to September, 2021 shall be declared here. Table 4(B) of **FORM GSTR-3B** may be used for filling up these details.";

(2) *for* the figures and word "2018-19 and 2019-20", the figures and word "2018-19, 2019-20 and 2020-21" shall be *substituted*;

(III) against serial number 13,—

(1) *after* the words, letters and figures "reclaimed in FY 2020-21, the details of such ITC reclaimed shall be furnished in the annual return for FY 2020-21," the following entry shall be *inserted*, namely :—

"For FY 2020-21, details of ITC for goods or services received in the previous financial year but ITC for the same was availed in returns filed for the months of April, 2021 to September, 2021 shall be declared here. Table 4(A) of **FORM GSTR-3B** may be used for filling up these details. However, any ITC which was reversed in the FY 2020-21 as per second proviso to sub-section (2) of section 16 but was reclaimed in FY 2021-22, the details of such ITC reclaimed shall be furnished in the annual return for FY 2021-22.";

(2) *for* the figures and word "2018-19 and 2019-20", the figures and word "2018-19, 2019-20 and 2020-21" shall be *substituted*;

(d) in paragraph 8, in the Table, in second column, *for* the figures and word "2018-19 and 2019-20" wherever they occur, the letters, figures and word "2018-19, 2019-20 and 2020-21" shall be *substituted*."

Amendment in  
FORM GSTR-9C

15. In the said rules, with effect from the 1<sup>st</sup> day of August, 2021, in **FORM GSTR-9C**,—

(i) in Part A, in the Table—

(a) in Sl. no. 9, *after* the entry relating to serial number K, the following serial number and entry relating thereto shall be *inserted*, namely :—

"K-1	Other					.";
------	-------	--	--	--	--	-----

(b) in Sl. no. 11, *after* entry relating to "0.10%", the following entry shall be *inserted*, namely :—

"Others						.";
---------	--	--	--	--	--	-----

(c) against Pt. V,—

(I) in the heading, *for* the words "Auditor's recommendation on additional Liability due to non-reconciliation", the words "Additional Liability due to non-reconciliation" shall be *substituted*;

(II) *after* entry relating to "0.10%", the following entry shall be *inserted*, namely :—

"Others						.";
---------	--	--	--	--	--	-----

(ii) *after* the table, *for* the portion beginning with "Verification:" and ending with " and balance sheet *etc.*", the following shall be *substituted*, namely :—

"Verification of registered person:

I hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct and nothing has been concealed there from. I am uploading this self-certified reconciliation statement in **FORM GSTR-9C**. I am also uploading other statements, as applicable, including financial statement, profit and loss account and balance sheet, *etc.*";

(iii) in the instructions,—

(a) in paragraph 4, in the Table, in second column, *for* the figures and word "2018-19 and 2019-20" wherever they occur, the figures and word "2018-19, 2019-20 and 2020-21" shall be *substituted*;

(b) in paragraph 6, in the Table, in second column, *for* the figures and word "2018-19 and 2019-20" wherever they occur, the figures and word "2018-19, 2019-20 and 2020-21" shall be *substituted*;

(c) *for* paragraph 7, the following paragraph shall be *substituted*, namely:—

"7. Part V consists of the additional liability to be discharged by the taxpayer due to non-reconciliation of turnover or non-reconciliation of input tax credit. Any refund which has been erroneously taken and shall be paid back to the Government shall also be declared in this table. Lastly, any other outstanding demand which is to be settled by the taxpayer shall be declared in this Table.";

(iv) Part B certification shall be *omitted*.

16. In **FORM GST ASMT-14**, with effect from the 29<sup>th</sup> day of August, 2021,—

Amendment in  
FORM GST  
ASMT-14

- (a) *after* the words, "with effect from -----", the words, "*vide* Order Reference No. -----, dated -----" shall be *inserted*;
- (b) the words, "for conducting business without registration despite being liable for registration" shall be *omitted*;
- (c) at the end *after* "Designation", the word "Address" shall be *inserted*.

By order,  
SANJIV MITTAL,  
*Apar Mukhya Sachiv.*

पी०एस०यू०पी०-ए०पी० 576 राजपत्र-2022-(1263)-599 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/ऑफसेट)।  
पी०एस०यू०पी०-ए०पी० 43 सा० राज्य कर-2022-(1264)-1,000 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/ऑफसेट)।